Exercise - 10.1

- 1) व्याली स्थान अरिए:-
 - (1) श्रम का केन्द्र हम के अक्यंतर में स्थित हैं विहिन्नींग /अक्यंतर
 - (ii) रूफ बिन्दु, जिला ही दान के किन्द्र से दूरी जिल्या से अधिक हो, पृत्त के व्यहिमांग में स्थित होता है (ब्रहिमीग / अन्यंतर)
- (iii) पृत की सबसे बड़ी जीवा खून का एयास होगा है।
- (iv) एक चाप अर्द्धक्त होता है, जब इसके सिरे एक ज्याल के
- (V) वृत्तरवेषु एक -पाप तथा जीवा के बीच का भाग होता है।
- (vi) रूक ष्ट्रत, जिल तल पर स्थित है, उसे तीन आगों में विभाजित करता है।
- 2) सिरिवर, सट्य या असट्य । अपने उत्तर के कारण दीजिए -
 - (i) केन्द्र को वन पर फिसी बिन्दु से मिलाने वाला रेखाखण वन
 - Ans: सत्य, क्यों कि केन्द्र की दृत पर फिसी बिन्दु से मिलाने वाला रेखाखण्ड श्वन की त्रिज्या होती है।
- (ii) एक वृत्त में समान अंबार्र की परिमित्र जीवाहं होती है। Ansi- असट्य, क्यों के शत की जीवाह किन्न-किन लंबाई की हो
- (iii) यदि एक द्वत की तीन खराषर न्यापों में बॉट दिया जाए, तो प्रत्येक भाग दीर्घ नाप होता है।
- क्राः असटम्, क्यों कि प्रत्येष-नाप केन्द्र पर 120 का कोण बनाला। अतः यह लघु-पाप बनाला।
- (i) त्रिज्यखंड ,जीवा एवं संग्रत न्वाप के बीच का क्षेत्र होता ही क्राः असट्य, क्यों के त्रिज्यरवंतु , जीवा एवं संग्रा त्रिज्या के वीच का

देत एक समतल आकृति है- सत्य